सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार 2024

सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए 2024 यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा कर दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- विरासत संरचनाओं को बहाल करने और संरक्षित करने के उनके प्रयासों के लिए पूरे क्षेत्र से आठ उत्कृष्ट परियोजनाओं को मान्यता दी गई।
- इस वर्ष के पुरस्कारों में 14 देशों से 52 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिसमें जूरी ने परियोजनाओं का मूल्यांकन स्थान, तकनीकी उपलब्धियों और स्थिरता की उनकी समझ के आधार पर किया।
- **उत्कृष्टता का पुरस्कार:** जापान के टोक्यो में **इनारी-यू बाथ हाउस रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट** को सामाजिक सामंजस्य और सामुदायिक लचीलेपन को बढ़ावा देते हुए विरासत को संरक्षित करने में अपने असाधारण कार्य के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह यूनेस्को का सर्वोच्च सम्मान है।

- **विशिष्टता का पुरस्कार:** दो परियोजनाओं को विशिष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ:
  - चीन के जियांग्सू प्रांत में गुनान स्ट्रीट ऐतिहासिक ब्लॉक संरक्षण परियोजना, और
  - भारत के तमिलनाडु में अबथसहायेश्वर मंदिर संरक्षण परियोजना।
- **योग्यता का पुरस्कार:** चार परियोजनाओं को मेरिट का पुरस्कार मिला, जिनमें शामिल हैं:
  - चीन में गुआनिन हॉल टीहाउस
  - चीन में हेलो पैवेलियन,
  - भारत के मुंबई में बीजेपीसीआई और
  - न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में ऑब्जर्वेटरी टॉवर।
- **विरासत संदर्भ में नये डिजाइन के लिए पुरस्कार:** हेरिटेज संदर्भों में नए डिजाइन के लिए पुरस्कार बैंकॉक, थाईलैंड में रैबिन्डहॉर्न बिल्डिंग को दिया गया, जिसने एक स्कूल व्यायामशाला को एक कार्यात्मक और दृष्टिगत रूप से आकर्षक स्थान में बदल दिया।
- निर्णायक मंडल ने सामाजिक-आर्थिक स्थिरता में उनके योगदान के लिए **गुनान स्ट्रीट हिस्टोरिक ब्लॉक और हेलो पैवेलियन परियोजनाओं को भी विशेष मान्यता दी,** जो सतत विकास के चालक के रूप में सांस्कृतिक विरासत पर यूनेस्को के फोकस के साथ संरेखित है।

अबथसहायेश्वर मंदिर के बारे में

- यह मंदिर तंजावुर जिले के थुक्काची में स्थित 1,300 साल पुराना है।
- इस मंदिर को अपनी विरासत को अक्षुण्ण रखने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण **राजा विक्रम चोल और कुलोथुंगा चोल** ने करवाया था।

बीजेपीसीआई (सर बयरामजी जीजीभॉय पारसी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन) के बारे में

- यह मुंबई में स्थित एक स्कूल भवन है। यह **मुंबई में गॉथिक स्थापत्य शैली** में बनी अंतिम बची इमारतों में से एक है।
- 1890 में स्थापित यह इमारत अपनी विशिष्ट सागौन की लकड़ी की स्क्रीन और रंगीन कांच के लिए जानी जाती है, जो गॉथिक पुनरुद्धार शैली का उदाहरण है।

- इसे **खान बहादुर मुंचरजी सी मुर्ज़बान** ने डिज़ाइन किया था।
- इसका निर्माण संस्था के संस्थापक बायरामजी जीजीभॉय द्वारा किया गया था।

सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार के बारे में

- यह पुरस्कार क्षेत्र में व्यक्तियों और संगठनों द्वारा विरासत मूल्य की संरचनाओं, स्थानों या संपत्तियों को पुनर्स्थापित या संरक्षित करने के लिए किए गए अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता प्रदान करते हैं।
- इसकी **स्थापना 2000** में हुई थी।
- अपनी स्थापना के बाद से, एशिया-प्रशांत विरासत पुरस्कारों ने 27 देशों की 906 परियोजनाओं को मान्यता दी है, तथा विरासत संरक्षण में निजी प्रयासों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया है।

भारत समुद्री विरासत सम्मेलन

पहला भारत समुद्री विरासत सम्मेलन 11 और 12 दिसंबर, 2024 को आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- **यह कार्यक्रम यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।**
- इसका आयोजन **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW)** द्वारा किया गया।
- इसका उद्देश्य दुनिया भर के प्रमुख वक्ताओं, समुद्री विशेषज्ञों और विचारकों को एक साथ लाना है, ताकि वे भारत की समुद्री परंपराओं पर चर्चा और जश्न मना सकें।
- यह सम्मेलन जहाज निर्माण, नौवहन और व्यापार में भारत की प्रगति को प्रदर्शित करता है तथा इसे दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अन्य स्थानों से जोड़ता है।
- इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे **लोथल और मुजिरिस** जैसे प्राचीन बंदरगाह वाणिज्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के केंद्र थे, बौद्ध धर्म जैसे दर्शन और आयुर्वेद जैसी प्रथाओं का प्रसार कर रहे थे और कैसे भारतीय नाविकों ने मानसूनी हवाओं और अभिनव उपकरणों का उपयोग करके नौवहन में अग्रणी भूमिका निभाई, जिससे वैश्विक समुद्री मार्गों को आकार मिला।

कुल प्रजनन दर

भारत ने कुल प्रजनन दर 2.0 हासिल कर ली है।

प्रमुख बिंदु

- **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार भारत ने 2.0 की कुल प्रजनन दर (टीएफआर)** हासिल की है।
- यह राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (2.1 की टीएफआर) के अनुरूप है।
- परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत सरकार द्वारा कई योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं: विस्तारित गर्भनिरोधक विकल्प, जिसमें कंडोम, संयुक्त मौखिक गर्भनिरोधक गोलियां, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियां, अंतर्गर्भाशयी गर्भनिरोधक उपकरण (आईयूसीडी) और नसबंदी शामिल हैं, लाभार्थियों को प्रदान किए जाते हैं।

> टीएफआर से तात्पर्य एक महिला द्वारा अपने प्रजनन वर्षों के दौरान पैदा किये जाने वाले बच्चों की औसत संख्या से है।

विश्व की सबसे बड़ी रंगोली

महाकुंभ के पावन अवसर पर एक ऐतिहासिक प्रयास के तहत उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दुनिया की सबसे बड़ी "रंगोली" तैयार की जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- इसका विस्तार **55,000 वर्ग फुट से अधिक** है।
- इसमें लगभग 11 टन जीवंत, पर्यावरण के अनुकूल रंगों (प्राकृतिक रंगों, फूलों की पंखुड़ियों और अन्य पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों से तैयार) का उपयोग किया जाएगा।
- रंगोली में **त्रिवेणी संगम के प्रतिष्ठित दृश्यों** को दर्शाया जाएगा, जिसमें इसके घाट, तीर्थयात्री और सांस्कृतिक परंपराएँ शामिल हैं।
- इस रंगोली डिजाइन की परिकल्पना मध्य प्रदेश के इंदौर की प्रसिद्ध कलाकार शिखा द्वारा की गई है।

भ्रूण मस्तिष्क की 3-डी तस्वीरें

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने भ्रूण के मस्तिष्क की विस्तृत 3डी हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरें जारी की हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस शोध का नेतृत्व **आईआईटी मद्रास के सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर के प्रमुख प्रो. मोहनशंकर शिवप्रकाशम** ने किया है। **'धरणी'** नामक यह डेटा सेट दुनिया भर के सभी शोधकर्ताओं के लिए ओपन सोर्स के रूप में उपलब्ध है।
- संस्थान में **सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर द्वारा विकसित अत्याधुनिक ब्रेन मैपिंग तकनीक का उपयोग** करके 5,132 मस्तिष्क खंडों को डिजिटल रूप से कैप्चर किया गया। आईआईटी मद्रास ने बताया कि यह कार्य तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाएगा और संभावित रूप से मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली स्वास्थ्य स्थितियों के लिए उपचार के विकास की ओर ले जाएगा।
- यह अनुसंधान **आईआईटी मद्रास की एक बहु-विषयक टीम** द्वारा किया गया, जिसमें **भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, रोमानिया और दक्षिण अफ्रीका के शोधकर्ता** शामिल थे, तथा इसमें चेन्नई स्थित मेडिसन सिस्टम्स और सविता मेडिकल कॉलेज अस्पताल के साथ चिकित्सकीय सहयोग भी शामिल था।

धरणी अब **मानव भ्रूण मस्तिष्क का सबसे बड़ा सार्वजनिक रूप से सुलभ डिजिटल डेटासेट है,** जिसे एलन ब्रेन एटलस को संचालित करने वाले प्रारंभिक फंड के दसवें हिस्से से भी कम राशि के साथ बनाया गया है, और एक प्रौद्योगिकी मंच है जो कोविड महामारी के दौरान 2020 और 2022 के बीच पूरी तरह से भारत में कस्टम-निर्मित किया गया है।

चैंपियंस ऑफ द अर्थ 2024

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने 2024 चैंपियंस ऑफ द अर्थ पुरस्कार के प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- यूएनईपी के चैम्पियंस ऑफ द अर्थ उन व्यक्तियों, समूहों और संगठनों को सम्मानित करता है जिनके कार्यों का पर्यावरण पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ता है। यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान है।
- **वर्ष 2005** से अब तक इस पुरस्कार द्वारा उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायक पर्यावरणीय नेतृत्व के लिए 122 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जा चुका है।
  - यूएनईपी के 2024 के चैम्पियंस ऑफ द अर्थ हैं:
  - एमी बोवर्स कॉर्डालिस (संयुक्त राज्य अमेरिका)
  - गेब्रियल पौन (रोमानिया)
  - लू क्यूई (चीन)
  - माधव गाडगिल (भारत)
  - एसईकेईएम् पहल (मिस्र)

समाचार में व्यक्ति- खेल

टैन किम हर	**भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने मलेशियाई युगल विशेषज्ञ टैन किम हर को राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने के लिए पुनः नियुक्त किया** है, जो देश में उनका दूसरा कार्यकाल होगा। मलेशियाई युगल कोच टैन किम हर इससे पहले 2015 से 2019 तक भारत में काम कर चुके हैं।

खेल

एशियाई महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप 2024

- **20वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप 3 से 10 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली**, भारत में आयोजित की गई।
- यह पहली बार था जब **प्रतियोगिता की मेजबानी हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया (HAI)** ने की।
- शुरुआत में, चैंपियनशिप को कजाकिस्तान के अल्माटी में आयोजित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन बाद में इसे नई दिल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया था।
- चीन से 41-30 से हारने के बाद **भारत ने छठा स्थान हासिल** किया।
- दक्षिण कोरिया को हराकर जापान चैंपियनशिप का विजेता बना।

अन्य राज्यों से महत्वपूर्ण समसामयिकी

मध्य प्रदेश	गीता जयंती के अवसर पर विश्व रिकार्ड बनाने के लिए **भोपाल के लाल परेड मैदान में 5,000 से अधिक आचार्यों ने एक साथ पवित्र गीता के 'कर्म योग' के तीसरे अध्याय का पाठ किया।** गीता जयंती इस साल (2024) 11 दिसंबर को थी। गीता ग्रंथ की उत्पत्ति 5,000 साल पहले हुई थी जब भगवान श्री कृष्ण ने कौरवों और पांडवों के बीच कुरुक्षेत्र युद्ध के दौरान अर्जुन को कर्म की शिक्षा दी थी।

विविध

- **पाकिस्तान के हारिस राउफ (पुरुष) और इंग्लैंड की डैनी व्याट-हॉज (महिला)** ने आईसीसी प्लेयर्स ऑफ द मंथ (नवंबर) का पुरस्कार जीता।
- **बीएमडब्ल्यू और यूनिसेफ** ने ग्रामीण भारत में बच्चों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए हाथ मिलाया है, जिसका उद्देश्य असम, झारखंड, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में लैंगिक समानता और समावेशी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना है।

❍❍❍❍